an>

Title: Need to set up a Museum as well as a Mega Tourist Circuit at the birth place of Gautam Budh, namely Piparhama (Kapilvastu), Siddharth Nagar, Uttar Pradesh.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): अध्यक्ष महोदया, तथागत गोतमबुद्ध की जन्मस्थली कपिलवस्तु (सिद्धार्थनगर) उत्तर प्रदेश में देश और दुनिया के लाखों बौद्ध धर्म के मानने वाले प्रतिवर्ष आते हैं। तथागत गौतमबुद्ध के पिता राजा शुद्धोधन की राजधानी पिपरहवा कपिलवस्तु थी। गौतमबुद्ध ने बचपन में सिद्धार्थ के रूप में 17 वर्षों तक यहीं निवास किया था। इसके बाद उन्होंने संन्यास ले लिया था। गौतमबुद्ध की जन्मस्थली कपिलवस्तु के राजप्रासाद से खुदाई में निकील हुई उस समय के कार्यकाल के सिक्के, बर्तन, कपड़े एवं वस्तुओं को राष्ट्रीय संग्रहालय, कोलकाता में रखा गया है। इनके जन्मस्थली के दर्शन करने वालों को बहुत इससे बहुत निराशा होती है, जब उनके कार्यकाल की वस्तुएं स्थानीय संग्रहालय में नहीं मिलती हैं। विगत दिनों पर्यटन मंत्री ने गौतमबुद्ध की जन्मस्थली पिपरहवा (कपिलवस्तु) के विकास के लिए मैगा पर्यटन सर्किट बनवाने की घोषणा की थी। दुनिया के कई देशों में बड़ी संख्या में बौद्ध धर्म के मानने वाले उनके अनुयायी हैं, जो पवित्र स्थल पिपरहवा (कपिलवस्तु) पर आकर अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

अतः मैं केन्द्र सरकार से मांग करता हूं कि गौतमबुद्ध की जन्मस्थली पिपरहवा (कपिलवस्तु) सिद्धार्थनगर, उत्तर प्रदेश में एक राष्ट्रीय संग्रहालय एवं मैगा पर्यटन सर्किट की स्थापना की जाये।